इस मास में विशेष: साधना दीक्षा

सर्व बाधा निवारण उच्छिष्ट गणपति साधना

लम्बोदर संकष्टी चतुर्थी, 17 जनवरी

भगवान गणपति अपने सहस्त्र स्वरूपों के साथ, अनन्त शक्तियों के साथ इस जगत में विद्यमान है। वे विजय गणपति स्वरूप में जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में विजय प्रदाता हैं। अतः निरापद युक्त सर्व विजयश्रीमय उच्चतम जीवन प्राप्ति व वाद-विवाद, राजकीय बाधा, लड़ाई, शत्रु बाधा, भय नाश इत्यादि कार्यों में विजय प्राप्ति के लिये उच्छिष्ट गणपति साधना अवश्य ही सम्पन्न करनी चाहिये।

पुरूषोत्तम श्रीराम पूर्णता प्राप्ति प्रयोग

रामलला प्रतिष्ठा दिवस, 22 जनवरी

पूर्ण का तात्पर्य है कि साधक में धैर्य, सहनशीलता, वीरता, प्रेम, सम्मोहन, नीति, मर्यादा, आचरण, सद् चरित्र व्यक्ति के जीवन में भी स्थापित हो सके, जिससे उसके जीवन में भी आनन्द, उमंग, उल्लास से युक्त होकर उसका जीवन भी पूर्ण हो सके। भगवान श्रीराम उक्त सुभावों से युक्त है, अतः इस प्रयोग को सम्पन्न कर सामान्य मनुष्य भी पुरूषोत्तममय गुणों से परिपूर्ण हो कर पूर्णता प्राप्त कर सकेगा।

मनोवांछित कामना सिद्धि साधना

प्रदोष पर्व, 27 जनवरी

जीवन में कई गुप्त-प्रगट, कहने योग्य- न कहने योग्य... इच्छायें होती हैं, वे चाहे रोग मुक्ति से सम्बन्धित हो, या उन्नति, व्यापार, कार्य सिद्धि, प्रेम-सफलता या साधना में सफलता... सभी में सफलता हेतु एक नवीन आजमाया हुआ सिद्ध सफल प्रयोग... जो आपके लिये तो जरूरी ही नहीं, अत्यधिक आवश्यक है... आपके जीवन का एक स्वर्णिम दिन।

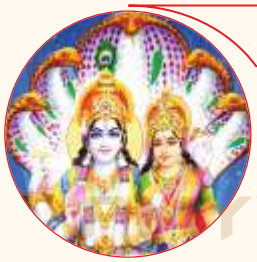

स्वप्न सिद्धि-असिद्धि मनोवांछित जानकारी प्राप्ति प्रयोग

जया एकादशी, 8 फरवरी

इस प्रयोग को करके साधना से सम्बन्धित सफलता या असफलता... या जो भी आप जानना चाहते हैं, स्वयं के विषय में या किसी अन्य के विषय में, मनोकामनाओं की पूर्णता होगी या नहीं, जान सकते हैं। अपने प्रश्नों का उत्तर आप स्वप्न के माध्यम से जान सकते हैं।

साधना एक **साधक** के जीवन का **अभिन्न अंग** है, जो साधक समय-समय पर स्वयं व सामूहिक रूप से साधना सम्पन्न करते हैं, वे सदैव **सद्गुरूदेव** के **हृदय** में एक **विशिष्ट स्थान** प्राप्त करते हैं। ये **विशिष्ट साधनायें** सम्पन्न करने के लिए **कैलाश सिद्धाश्रम** में सम्पर्क करें।